16/6/25

Roll No. .....

AH–5462

B. C. A. (Second Semester)
Ability Enhancement Course (CAAEC-03)
EXAMINATION, May-June, 2025

HINDI LANGUAGE

Time : Two Hours

Maximum Marks : 35

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई **पाँच**) : 5

1. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की किसी **एक** रचना का नाम लिखिए।
2. 'चोरी और प्रायश्चित' निबन्ध के रचनाकार का नाम लिखिए।

P. T. O.

Scanned with OKEN Scanner

3. व्यंजन संधि का एक उदाहरण दीजिए।

4. द्विगु समास का एक उदाहरण लिखिए।

5. किसी एक व्यंग्यकार का नाम लिखिए।

6. कमल का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

7. अनंत का विलोम शब्द लिखिए।

8. 'ईद का चाँद होना' का अर्थ लिखिए।

9. 'रसोईघर' समास का नाम लिखिए।

10. नरेश किस संधि का उदाहरण है ?

खण्ड—ख

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के एक या दो वाक्य में उत्तर लिखिए : 10

1. 'भारत वन्दना' में कवि ने किसकी वन्दना की है और किस तरह से की है ?

2. 'भोलाराम का जीव' में किस पर व्यंग्य किया गया है ?

3. 'चोरी और प्रायश्चित' में गांधी जी किस बात पर प्रायश्चित करते हैं ?

4. प्रत्यय किसे कहते हैं ? उदाहरण देकर समझाइए।

5. 'अन्धे की लाठी' का अर्थ बताकर मुहावरे में प्रयोग कीजिए।

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड—ग

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 20

1. 'भोलाराम का जीव' के सारांश लिखिए।

अथवा

'चोरी और प्रायश्चित' का आशय लिखिए।

2. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी अर्थ लिखिए :

(i) नयन

(ii) धन

(iii) फल

(iv) बाल

(v) अंबर

अथवा

समश्रुत शब्द किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित समझाइए।

3. मुहावरे एवं लोकोक्ति में अन्तर बताकर उदाहरण लिखिए।

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली का अर्थ बताकर उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

Scanned with OKEN Scanner

4. किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) मेरे जीवन का लक्ष्य

(iii) नई शिक्षा नीति

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक बताते हुए सारांश लिखिए :

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है जिसका सर्वाधिक व्यवस्थित रूप हमें सर्वप्रथम वैदिक युग में प्राप्त होता है। वेद विश्व के प्राचीनतम ग्रंथ माने जाते हैं। प्रकृति में भारतीय संस्कृति अत्यन्त उदात्त, समन्वयवादी, सशक्त एवं जीवित रही है जिसमें जीवन के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा आध्यात्मिक प्रवृत्ति का एक अद्‌भुत समन्वय पाया जाता है। भारतीय विचारक सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में मानते रहे और इसका कारण उनका उदार दृष्टिकोण है। हमारे ऋषिगण तथा विचारकों की 'उदार चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धान्त में गहरी आस्था रही है।

× × × × ×

Scanned with OKEN Scanner